सूर्योदय : 6:30
सूर्यास्त : 5:13
अधिकतम तापमान : 25.0
न्यूनतम : 13.0

हिन्दी दैनिक

अवधनामा

www.avadhnama.com

RNI NO : UPHIN/2010/31173
डाक पंजीकरण संख्या: SSP/LW/NP-422/2014-2016
वर्ष-18 अंक-151 पेज-16
मूल्य : 3 रुपया
लखनऊ, शुक्रवार, 22 नवम्बर 2024
19 जमादियुल-अव्वल 1446 हिजरी

एराज लखनऊ मेडिकल कालेज एंड हॉस्पिटल में एनसीएचपीई-2024 का आयोजन

- दो दिवसीय कार्यशाला में हेल्थ प्रोफेशनल की टेनिंग पर होगी चर्चा

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। एरा यूनिवर्सिटी और एराज लखनऊ मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल द्वारा एकेडमी ऑफ हेल्थ प्रोफेशन एजुकेशन के तत्वावधान में और फाउंडेशन फॉर एडवांसमेंट इन मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च इंटेलीथ के एक डिवीजन, फिलाडेल्फिया, यूएसए के सहयोग से 22 और 23 नवंबर को 15वें राष्ट्रीय स्वास्थ्य व्यवसाय शिक्षा सम्मेलन (एनसीएचपीई-2024) का आयोजन किया जा रहा है। दो दिवसीय सम्मेलन से पूर्व गुरुवार को प्री कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप में विशेषज्ञों ने चिकित्सकों को बताया कि किस प्रकार मरीजों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नवीन तकनीक से इलाज किया जाए।

इस वर्ष का विषय स्वास्थ्य व्यवसाय शिक्षा को सशक्त बनाना- नवाचार, सहयोग और रोगी सुरक्षा स्वास्थ्य पेशेवरों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं को स्वास्थ्य व्यवसाय शिक्षा में सर्वोत्तम प्रथाओं और नवाचारों को साझा करने के लिए एक साथ लाएगा। सम्मेलन का एक भाग रोगी सुरक्षा से सम्बन्धित रहा। एरा विश्वविद्यालय के कुलपति का सम्मेलन सहस्राब्दी स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के लिए विश्वविद्यालय की पहलों पर विस्तार से चर्चा की गई। सम्मेलन में पहले दिन अंतर-पेशेवर सहयोग और योग्यता-आधारित शिक्षा पर एक सत्र के साथ-साथ विविध विषयों कार्यशालाएं हुई। इसके माध्यम से एचपीई के कई पहलुओं को पूरा करने की कोशिश की गई। एरा विश्वविद्यालय की उप कुलपति प्रो. फरजाना महदी ने गुरुवार को प्री कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप में कहा कि अस्पताल में आने वाले मरीज की सुरक्षा ही डाक्टर की प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए उसे हमेशा सीखते रहना चाहिए। यह कॉन्फ्रेंस इस उद्देश्य को पूरा करने का एक प्रयास है। प्रो. महदी ने कहा कि मरीज के इलाज से पूर्व डाक्टरों को सिमुलेशन पर अभ्यास जरूर करना चाहिए। सिमुलेशन एक प्रकार का कृत्रिम मरीज होता है जिसकी सहायता से डाक्टरों को सर्जरी व अन्य प्रोसीजर सिखाए जाते हैं। प्रो. महदी ने कहा कि मरीज की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अगर डाक्टर पहले से अभ्यास कर लेते हैं तो गलती की गुंजाइश नहीं रहती।